an>

Title: Need to take steps to manufacture organic manure in Meerut.

**श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ):** उपाध्यक्ष जी, शहरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में डेयरियां स्थित हैं जिनके द्वारा गली मोहल्लों, कॉलोनियों में रहने वाले नागरिकों को दूध की आपूर्ति की जाती है। इन डेयरियों में स्वाभाविक रूप से गोबर का भी उत्पादन होता है जिसके प्रति ये निकाय प्रायः उदासीन रहते हैं। नगर विकास मंत्रालय भी कूड़ा निस्तारण की योजनाएं बनाता है परन्तु गोबर को कूड़े की श्रेणी में नहीं मानने से इसके निस्तारण की चिंता नहीं की जाती, जिसके परिणामस्वरूप गोबर आसपास की नालियों में पड़ा रहता है। इसके कारण एक ओर तो वायुमंडल दूषित होता है वहीं दूसरी ओर नालियां-नालों में जाम हो जाने से पानी की निकासी में बाधा उत्पन्न होती है। इन सभी कारणों पर विचार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इन डेयरियों को शहर से बाहर किए जाने के आदेश भी किए हैं परन्तु इन आदेशों का पालन अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण संभव नहीं हो पाया है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि प्रत्येक घर से कूड़ा उठाने की योजना के समान ही प्रत्येक डेयरी से गोबर उठाने की व्यवस्था निकायों द्वारा की जाए। नगर निकाय उसके लिए डेयरियों से निर्धारित शुल्क लें तथा इस एकत्र किए गए गोबर से नगर की सीमा के बाहर किसी उपयुक्त स्थान पर जैविक खाद का निर्माण करें तथा उचित मूल्य पर किसानों को खाद की आपूर्ति करें। इससे अनेक लाभ होंगे, नगर स्वच्छ होंगे, पानी की निकासी ठीक होगी, निकायों की आय बढ़ेगी तथा जैविक खाद से किसानों को लाभ होगा तथा जमीन का भी स्वास्थ्य सुधरेगा। आपने मुझे अवसर दिया, आपका धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEKER

Shri Sudheer Gupta,

Shri Bhairon Prasah Mishra,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Kumari Shobha Karandlaje are permitted to associate with the issue raised by Shri Rajendra Agrawal.

...(*Interruptions*)